हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनको अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

चारधाम यात्रा में न आयें .. .8

वर्ष : 14 अंक : 251 देहरादून, सोमवार 05 मई 2025 शुल्क : पचास पैंसे पृष्ठ संख्या : 08

जीएमवीएन की बुकिंग पहुंची ग्यारह करोड़ चौरासी लाख के पार

अतिथि देवो भवः की परम्परा ?

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं!

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून,। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट पूर्ण विधि–विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ खुलने पर समस्त सनातन धर्मावलंबियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री यमुनोत्री, श्री गंगोत्री, श्री केदारनाथ और श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का विधिवत शुभारंभ हो गया है। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड के प्रमुख चारधामों में से एक बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देने के साथ साथ हेमन्त द्विवेदी को श्री बद्रीनाथ श्री केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष बनने और ऋषि प्रसाद सती एवं विजय कपरवाण को बीकेटीसी के उपाध्यक्ष बनाये जाने पर शुभकामनाएं दी हैं।

चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं और पुलिस प्रशासन, स्थानीय प्रशासन से अपील करते हुए पर्यटन मंत्री श्री महाराज ने कहा कि ष्अतिथि देवो भव की परम्परा का निर्वाह करते हुए चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रृद्धालुओं के स्वागत और सत्कार का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होंने श्रृद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि स्थानीय प्रशासन का सहयोग करते हुए सभी श्रद्धालु अपनी यात्रा को सुरक्षित और सफल बनाने के लिए यात्रा में आने से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें और अपनी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार यात्रा की तैयारी करें। उन्होंने कहा कि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी के कारण स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, इसलिए आवश्यक दवाएं और उपकरण साथ रखें। यात्रा के लिए आवश्यक दस्तावेज़, जैसे कि पहचान पत्र और यात्रा अनुमति, साथ रखें। यात्रा के दौरान सरकार की गाईड लाईन और दिशा–निर्देशों का पालन अवश्य करें। उन्होने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर श्रृद्धालुओं में

शेष पृष्ठ 7 पर

सीएम की मौजूदगी में खुले बदरीनाथ धाम के कपाट

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून, । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बद्रीनाथ के कपाट खुलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से पहली महाभिषेक पूजा कर देश और राज्य की सुख समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मंदिर परिसर में स्थित लक्ष्मी मंदिर गणेश मंदिर आदि गुरु शंकराचार्य गद्दी सहित सभी मंदिरों में पूजा अर्चना की। बद्रीनाथ के कपाट खुलने के अवसर पर देश और दुनिया के लगभग 15 हजार श्रद्धालु मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने बद्रीनाथ में तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और तीर्थयात्रियों से यात्रा व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सकुशल चारधाम यात्रा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के दृष्टिगत बेहतर व्यवस्थाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा हर स्तर पर प्रयास किया गया है। उन्होंने देवभूमि उत्तराखंड आने वाले सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया हरित और स्वच्छ चारधाम यात्रा के लिए राज्य को पूरा सहयोग दें।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी से बद्रीनाथ धाम के मास्टर प्लान के कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए मंदिर के समीप हो रहे निर्माण कार्यों का जायजा भी लिया। उन्होंने जिलाधिकारी को मास्टर प्लान के कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने बदरीनाथ धाम में यात्रा व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को यात्री सुविधा और सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिलाधिकारी से श्री हेमकुंड साहिब यात्रा तैयारियों की जानकारी लेते हुए यात्री सुविधाओं को शीघ्र व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोविंदघाट में अलकनंदा नदी में निर्माणाधीन पुल के निर्माण कार्य की जानकारी ली। जिलाधिकारी को पुल के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण कर यात्रा से पूर्व पुल का निर्माण गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के आदेश दिए। इस दौरान राज्यसभा सांसद और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज, विधायक किशोर उपाध्याय, लखपत बुट्टोला, बीकेटीसी के नवनियुक्त उपाध्यक्ष विजय कपरवाण व ऋषि प्रसाद सती, बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विजय थपलियाल, धर्माधिकारी राधा कृष्ण थपलियाल आदि मौजूद थे।

सीएम ने भाजपा मीडिया प्रभारी की पत्नी के निधन पर शोक जताया

देहरादून,। **इंडिया वार्ता ब्यूरो** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान की धर्मपत्नी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

सीएम धामी ने नंदप्रयाग में आयोजित राम कथा में प्रतिभाग किया

देहरादून, **इंडिया वार्ता ब्यूरो**। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को नंदप्रयाग में आयोजित राम कथा में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि अलकनंदा और नंदाकिनी के संगम नंदप्रयाग में आयोजित राम कथा में उन्हें संतवाणी का साक्षी बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जीवनगाथा आत्मिक चेतना जागृत करने का एक माध्यम है। रामकथा हमारे जीवन मूल्यों को जागृत करने और भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करने का एक दिव्य अवसर है। उनके आदर्शों से पता चलता है कि हमारे जीवन में धर्म, करुणा, सत्य, सेवा और भक्ति की कितनी अधिक महत्ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोरारी बापू जी की अमृतवाणी से हमें जीवन को राममय बनाने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वनाथ कॉरीडोर, महाकाल लोक और अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य एवं दिव्य मंदिर का निर्माण हुआ है। हमारी सनातन संस्कृति को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली। उनके मार्गदर्शन से राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास के साथ ही सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

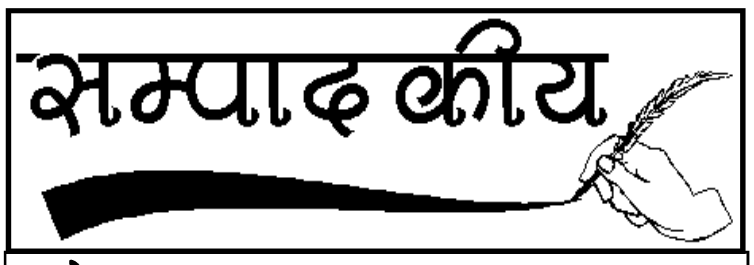

मौसम का मिजाज

उत्तराखंड में रविवार से तीन दिवसीय ओलावृष्टि आकाशीय बिजली , आंधी तूफान एवं बारिश का मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है उत्तराखंड में इस बार चार धाम यात्रा की शुरुआत बारिश के साथ हुई है और सप्ताह के शुरू में ही मौसम ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है मौसम विभाग ने तीन दिवसीय ऑरेंज अलर्ट जारी किया है उन्होंने आपदा प्रबंधन विभाग को भी सतर्क रहने की सलाह दी है उत्तराखंड में इस बार जैसे–जैसे गर्मी बढ़ रही है जैसे–जैसे तापमान उछाल मार रहा है वैसे ही वैसे यहां की बारिश इसको फिर डाउन पर लेकर जा रही है अन्यथा बारिश ओलावृष्टि ज्यादातर जून माह के शुरुआत में अक्षर देखने को मिलता था लेकिन इस बार मई माह में ही इस तरह की बारिश देखने को मिल रही है ओलावृष्टि भी कहीं परदेस में हो रही है मौसम विभाग ने रविवार सोमवार मंगलवार को पहाड़ी इलाकों में ४० से ५० और मैदानी इलाकों में ५० से ७० किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी तूफान चने की संभावना जताई है इसके अलावा प्रदेश भर में बिजली चमकने और ओलावृष्टि का भी अलर्ट रहेगा ७ मई के बाद से उत्तराखंड में मौसम ठीक रहने की संभावना है आने वाले दिनों में उत्तराखंड में पर्यटन सीजन भी अपना जोर पकड़ेगा लेकिन इस बार जब से पहलगाम हमला हुआ है उसके बाद से ही पर्यटक स्थलों पर सैलानियों का पहुंचना थोड़ा मुश्किल हो गया है लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं इसी के मध्य नजर पर्यटक स्थलों पर भीड़ में काफी गिरावट देखने को मिली है वीकेंड पर भी पर्यटक स्थलों की तरफ पर्यटकों का रुख ना करना इस बात को पुख्ता करता है जो घटना पहलगाम में हुई थी उसमें सैलानियों पर गोलियां बरसाई गई थी कहीं ना कहीं पर्यटकों के दिल और दिमाग में सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हैं तभी जाकर लोग पर्यटक स्थलों का रूख नहीं कर रहे हैं लेकिन उत्तराखंड में चार धाम यात्रा ३० अप्रैल से शुरू हो चुकी है और यात्रा के पहले ही दिन ३०००० लोगों ने चार धाम यात्रा की है पहलगाम में हुआ हमला क्या उत्तराखंड की यात्रा पर भी कहीं ना कहीं अपना असर छोड़ पाएगा या यात्रा पहले की तरह ही अपने सबाब पर रहेगी यह तो आने वाले समय में ही देखने को मिलेगा।

व्यक्तियों को वस्तु मत बनाईए

हम वस्तुओं के जगत में रहते हैं। न तो हम पदार्थ के जगत में रहते हैं और न हम स्वर्ग के, चेतना के जगत में रहते हैं। हम वस्तुओं के जगत में रहते हैं। इसे ठीक से, अपने आस-पास थोड़ी नजर फेंक कर देखेंगे, तो समझ में आ सकेगा। हम वस्तुओं के जगत में रहते हैं-वी लिव इन थिंग्स। ऐसा नहीं कि आपके घर में फेनह्नचर है, इसलिए आप वस्तुओं में रहते हैं, मकान है, इसलिए वस्तुओं में रहते हैं, धन है, इसलिए आप वस्तुओं में रहते हैं। नहीं, फनह्नचर, मकान और धन और दरवाजे और दीवारें, ये तो वस्तुएं हैं ही। लेकिन इन दीवार-दरवाजों, इस फेनह्नचर और वस्तुओं के बीच में जो लोग रहते हैं, वे भी करीब-करीब वस्तुएं हो जाते हैं। मैं किसी को प्रेम करता हूं, जो चाहता हूं कि कल भी मेरा प्रेम कायम रहे, तो चाहता हूं कि जिसने मुझे आज प्रेम दिया, वह कल भी मुझे प्रेम दे। अब कल का भरोसा सिर्फ वस्तु का किया जा सकता है। कुसह्न मैंने जहां रखी थी अपने कमरे में, कल भी वहीं मिल सकती है। प्रेडिक्टेबल है, उसकी भविष्यवाणी हो सकती है। और रिलायबल है, उस पर निर्भर रहा जा सकता है। क्योंकि मुर्दा कुसह्न की अपनी कोई चेतना, अपनी कोई स्वतंत्रता नहीं है। लेकिन जिसे मैंने आज प्रेम किया, कल भी उसका प्रेम मुझे ऐसा ही मिलेगा-अगर व्यक्ति जीवंत है और चेतना है तो पक्का नहीं हुआ जा सकता। हो भी सकता है, न भी हो। लेकिन मैं चाहता हूं कि नहीं, कल भी यही हो जो आज हुआ था। तो फिर मुझे कोशिश करनी पड़ेगी कि यह व्यक्ति को मिटा कर मैं वस्तु बना लूं। तो फिर रिलायबल हो जाएगा। तो फिर मैं अपने प्रेमी को पति बना लूं या प्रेयसी को पत्नी बना लूं। कानून का, समाज का सहारा ले लूं। और कल सुबह जब मैं प्रेम की मांग करूं, तो वह पत्नी या वह पति इनकार न कर पाएगा। क्योंकि वादे तय हो गए हैं, समझौता हो गया है, सब सुनिश्चित हो गया है अब मुझे इनकार करना मुझे धोखा देना है, वह कर्तव्य से च्युत होना है। तो जिसे मैंने कल से प्रेम में बांधा, उसे मैंने वस्तु बनाया। और अगर उसने जरा सी भी चेतना दिखाई और व्यक्तित्व दिखाया, तो अड़चन होगी, तो संघर्ष होगा, तो कलह होगी। इसलिए हमारे सारे संबंध कलह बन जाते हैं। क्योंकि हम व्यक्तियों से वस्तुओं जैसी अपेक्षा करते हैं। बहुत कोशिश करके भी कोई व्यक्ति वस्तु नहीं हो पाता, बहुत कोशिश करके भी नहीं हो पाता। हां, कोशिश करता है, उससे जड़ होता चला जाता है। फिर भी नहीं हो पाता, थोड़ी चेतना भीतर जगती रहती है, वह उपद्रव करती रहती है।

फिर सारा जीवन उस चेतना को दबाने और उस पदार्थ को लादने की चेष्टा बनती है। और जिस व्यक्ति को भी मैंने दबाकर वस्तु बना दिया, या किसी ने दबाकर मुझे वस्तुन बना दिया, तो एक दूसरी दुर्घटना घटती है, कि अगर सच में ही कोई बिल्कुल वस्तु बन जाए तो उससे प्रेम करने का अर्थ ही खो जाता है। कुसह्न से प्रेम करने का कोई अर्थ तो नहीं है। आनंद तो यही था कि वहां चौतन्य था। अब वह मनुष्य का डाइलेमा है, यह मनुष्य का द्वंद्व है कि वह चाहता है व्यक्ति से ऐसा प्रेम, जैसा वस्तुओं से ही मिल सकता है। और वस्तुओं से प्रेम नहीं चाहता, क्योंकि वस्तुओं के प्रेम का क्या मतलब है? एक ऐसी ही असंभव संभावना हमारे मन में दौड़ती रहती है कि व्यक्ति से ऐसा प्रेम मिले, जैसा वस्तु से मिलता है। यह असंभव है। अगर वह व्यक्ति, व्यक्ति रहे तो प्रेम असंभव हो जाएगा, और अगर वह व्यक्ति वस्तु बन जाए, तो हमारा रस खो जाएगा। दोनों ही स्थितियों में सिवा फ्रस्ट्रेशन और विषाद के कुछ हाथ न लगेगा। और हम सब एक-दूसरे को वस्तु बनाने में लगे रहते हैं। हम जिसको परिवार कहते हैं, समाज कहते हैं, वह व्यक्तियों का समूह कम, वस्तुओं का संग्रह ज्यादा है। यह जो हमारी स्थिति है, इसके पीछे अगर हम खोजने जाएं, तो लाओत्से जो कहता है, वही घटना मिलेगी। असल में, जहां है नाम, वहां व्यक्ति विलीन हो जाएगा, चेतना खो जाएगी और वस्तु रह जाएगी। अगर मैंने किसी से इतना भी कहा कि मैं तुम्हारा प्रेमी हूं, तो मैं वस्तु बन गया। मैंने नाम दे दिया एक जीवंत घटना को, जो अभी बढ़ती और बड़ी होती, फैलती और नई होती। और पता नहीं, कैसी होती! खल क्या होता, नहीं कहा जा सकता था। मैंने दिया नाम, अब मैंने सीमा बांधी। अब मैं कल रोकूंगा, उससे अन्यथा न होने दूंगा जो मैंने नाम दिया है। कल सुबह जब मेरे ऊपर क्रोध आएगा, तो मैं कहूंगा, मैं प्रेमी हूं, मुझे क्रोध नहीं करना चाहिए। तो मैं क्रोध को दबाऊंगा। जब क्रोध आया हो और क्रोध दबाया गया हो, तो जो प्रेम किया जाएगा वह झूठा और थोथा हो जाएगा। कल सुबह जब मेरे ऊपर क्रोध आएगा तो मैं क्रोध को दबाऊंगा। और जब क्रोध आया हो और क्रोध दबाया गया हो, तो जो प्रेम किया जाएगा वह झूठा और थोथा हो जाएगा। और जो प्रेमी क्रोध करने में समर्थ नहीं है, वह प्रेम करने में असमर्थ हो जाएगा। क्योंकि जिसको मैं इतना अपना नहीं मान सकता कि उस पर क्रोध कर सकूं, उसको इतना भी कभी अपना न मान पाऊंगा कि उसे प्रेम कर सकूं। लेकिन मैंने कहा, मैं प्रेमी हूं! (ईएमएस)

जैसे नाम कल्पित हैं, ऐसे ही परमात्मा का नाम भी कल्पित

नाम तो सभी असत्य हैं। परमात्मा अनाम है इसलिए जो भी नाम दिए गए हैं, दिए जाएंगे, सब कल्पित हैं। उनका उपयोग है जरूर, लेकिन उनकी प्रामाणिकता कोई भी नहीं है। जैसे नाम कल्पित हैं, ऐसे ही परमात्मा का नाम भी कल्पित है। एक बच्चा पैदा होता है, अनाम हम देते हैं, उसे नाम। बिना नाम जीवन कठिन होगा। कैसे तो कोई उसे पुकारेगा, कैसे कोई पत्र लिखेगा? जीवन अड़चन होगा। एक त्रिम नाम जीवन में सहयोगी हो जाता है, उसकी उपयोगिता है। भेद करने में सुविधा हो जाती है। जहां-जहां भेद करना है वहां-वहां नाम की उपयोगिता है। लेकिन परमात्मा तो सारी सत्ता का प्रतीक है, अभेद का प्रतीक है, एक का प्रतीक है। जहां अनेक हैं, वहां तो नाम की उपादेयता भी है, लेकिन जहां अनेकता नहीं है, वहां तो बहुत उपादेयता भी नहीं है, लेकिन फिर भी, उसकी खबर देनी हो, जिनको मिल गया हो, जिन्होंने जाना हो, उन्हें दूसरों को जगाना हो तो थोड़ी-सी उपयोगिता है, फिर राम कहो, ओंकार कहो, अल्लाह कहो, पर ध्यान रखना, उसका कोई भी नाम नहीं है। नाम के पीछे अनाम छिपा है, यह स्मरण बना रहे तो नाम का कोई थरा नहीं है। लेकिन ऐसी भ्रांति न हो जाए कि नाम ही सच हो जाए और अनाम का विस्मरण हो जाए। तो बड़ी चूक हो गई। तो फिर जपते रहना तुम राम-राम फिर करते रहना अल्लाह-अल्लाह। यारी ने कहा न जबान थक गई चिल्लाते-चिल्लाते, कुछ मिला नहीं, कुछ हाथ न लगा। हाथ लगे भी कैसे? पानी-पानी कहने से प्यास नहीं बुझती है, जब तक कि पानी न चखो। चखने की फिक्र करो, नाम की फिक्र छोड़ो। स्वाद की चिंता लो, स्वाद मिल गया तो सब मिल गया। एक अर्थ में उसका कोई भी नाम नहीं, दूसरे अर्थ में, वृक्षों से गुजरती हवाएं उसी के नाम का उद्घोष करती हैं। सागर की उत्ताल तरंगें उसी के नाम का जप करती हैं। अनेक-अनेक रूपों में उसी का स्मरण हो रहा है। कोई उसे आनंद की तरह स्मरण कर रहा है। किसी ने उसकी भनक संगीत में सुनी है, वीणा के तारों में सुनी है। जहां प्रेम है, वहां प्रार्थना है। जहां प्रार्थना है वहां परमात्मा है। किसी की आंख में प्रीति से झांको, उसी का नाम उबर आएगा। किसी का हाथ प्रेम से हाथ में ले लो, उसी का नाम उबर आएगा। ऐसे तो उसका कोई भी नाम नहीं और ऐसे सभी नाम उसके हैं, क्योंकि वही है, अकेला वही है, उसके अतिरिक्त और कोई भी नहीं है। हम सब उसी की लहरे हैं, उसी के वृक्ष के पत्ते-फूल... हम सब उसी के अंग... न हम उसके बिना है न वह हमारे बिना है। न तो भक्त के बिना भगवान है, न भगवान के बिना भक्त है। भक्त और भगवान के बीच जो घटता है, वही उसका नाम है। क्या घटता है? कहना कठिन है। कभी कहा नहीं गया, कभी कहा भी न जा सकेगा। चुपचाप घटता है, मौन सन्नाटे में घटता है, अपूर्व शून्य में घटता है। और जब घट जाता है तो जीवन में आ गया वसंत!

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें

संपादक

दैनिक इंडिया वार्ता

प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)

मोबाईल न.- 7500581414,9359555222

Email: indiawarta@gmail.com

चारधाम यात्रा : आरंभ में ही अव्यवस्थाओं का बोलबाला, सरकार पर उठे सवाल

उत्तराखंड की पहचान और अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली चार धाम यात्रा के शुरुआती दिनों में ही अव्यवस्थाओं का आलम देखने को मिल रहा : गरिमा

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड की पहचान और अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाने वाली चार धाम यात्रा के शुरुआती दिनों में ही अव्यवस्थाओं का आलम देखने को मिल रहा है। स्थानीय जनता, श्रद्धालु और पंडा पुरोहित समाज सरकार के इंतजामों से खासे नाखुश नजर आ रहे हैं। यह स्थिति तब है, जब पिछले वर्ष यात्रा के दौरान भारी अव्यवस्थाएं सामने आई थीं और राज्य सरकार ने मृतकों, बीमारों और संपत्ति के नुकसान का कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया था। उम्मीद थी कि पिछली गलतियों से सबक लेकर इस बार बेहतर प्रबंधन होगा, लेकिन तीन धामों के कपाट खुलने और चौथे धाम बद्रीनाथ के कपाट आज खुलने के बाद स्थिति निराशाजनक दिख रही है।केदारनाथ धाम से लगातार ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जो सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। इन वीडियो में यात्रा प्रबंधन को लेकर लोगों की नाराजगी स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि बीमार घोड़ा–खच्चरों का समय पर इलाज न हो पाने के कारण धामों तक रसद और खाद्यान्न की आपूर्ति बाधित हो रही है। केदारनाथ में भारी बारिश की चेतावनी के बीच खाद्यान्न खराब होने का खतरा भी मंडरा रहा है।स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि मंदिर की सजावट के लिए गुजरात से लोगों को बुलाया गया है। वहीं, केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के अवसर पर मंदिर परिसर में बड़े मंच, माइक और कैमरों के आयोजन पर भी सवाल उठ रहे हैं। इतना ही नहीं, आनन–फानन में किए गए बद्री केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों की नियुक्ति पर भी उंगलियां उठ रही हैं। सवाल यह है कि जब यात्रा की तिथि पहले से निर्धारित थी, तो इन महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति में इतना विलंब क्यों हुआ? नियुक्त किए गए लोगों की काबिलियत और पृष्ठभूमि पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।इस गंभीर स्थिति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, उत्तराखंड कांग्रेस की प्रवक्ता गरिमा दसौनी ने राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि यात्रा का अभी आरंभ है और यह लंबी चलेगी। इसलिए, समय रहते प्रबंधों को दुरुस्त किया जाना चाहिए, ताकि एक सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का संदेश देश–विदेश में जा सके। दसौनी ने जोर देकर कहा कि चार धाम यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि यह उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था और लाखों लोगों की आजीविका का भी आधार है। सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए और पिछली गलतियों को दोहराने से बचना चाहिए।

भारत निर्वाचन आयोग जल्द ही हितधारकों के लिए एक एकल–बिंदु ऐप लॉच करेगा

नया ईसीआई–नेट नागरिकों के लिए चुनावी सेवाएं सुगम बनाएगा; चुनाव पदधारियों को डेटा प्रबंधन में आसानी और सुविधा होगी

इंडिया वार्ता ब्यूरो

नई दिल्ली/देहरादून, ।एक प्रमुख पहल के तहत, भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचकों और इनके अन्य हितधारकों जैसे चुनाव पदधारियों, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के लिए एक नया उपयोगकर्ता–अनुकूल डिजिटल इंटरफ़ेस विकसित कर रहा है। यह नया वन–स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म, ईसीआई–नेट, आयोग के 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशनों को एकीकृत करेगा और अनुकूल बनाएगा। ईसीआई–नेट में एक सुंदर यूजर इंटरफेस (यूआई) और एक सरलीकृत यूजर एक्सपीरियंस (यूएक्स) होगा, जो चुनाव– संबंधित सभी गतिविधियों के लिए एक एकल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। यह प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ताओं को कई ऐप डाउनलोड करने और नेविगेट करने तथा अलग–अलग लॉगिन याद रखने के बोझ को कम करने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है।इस प्लेटफॉर्म की परिकल्पना भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में मार्च 2025 में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान की थी।ईसीआई–नेट उपयोगकर्ताओं को अपने डेस्कटॉप या स्मार्टफ़ोन पर सुसंगत चुनावी डेटा तक पहुँचने में भी सक्षम बनाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि डेटा यथासंभव सटीक है, ईसीआई–नेट पर डेटा केवल आयोग के अधिकृत पदधारी द्वारा दर्ज किया जाएगा। संबंधित पदधारी द्वारा की गई प्रविष्टि से यह सुनिश्चित होगा कि हितधारकों को उपलब्ध कराया गया डेटा यथासंभव सटीक है। हालांकि, किसी भी विवाद के मामले में, सांविधिक फॉर्मों में विधिवत भरा गया प्राथमिक डेटा ही मान्य होगा। ईसीआई–नेट में वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप, सी–विजिल, सुविधा 2.0, ईएसएमएस, सक्षम और केवाईसी ऐप जैसे मौजूदा ऐप शामिल होंगे, जिन्हें कुल मिलाकर 5.5 करोड़ से ज़्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है (ऐप्स की पूरी सूची संलग्न है)। ईसीआई–नेट से लगभग 100 करोड़ निर्वाचकों और सम्पूर्ण चुनावी तंत्र को फ़ायदा मिलने की उम्मीद है, जिसमें देश भर के 10.5 लाख से ज़्यादा बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त लगभग 15 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), लगभग 45 लाख मतदान पदधारी, 15,597 सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ), 4,123 ईआरओ और 767 ज़िला चुनाव अधिकारी (डीईओ) शामिल हैं।ईसीआई–नेट पहले ही अपने विकास के उन्नत चरण में पहुंच चुका है और इसकी सुचारू कार्यक्षमता, उपयोग में आसानी और मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के लिए कठोर परीक्षण किए जा रहे हैं। इसे सभी राज्यों/संघ राज्य–क्षेत्रों के 36 सीईओ, 767 डीईओ और उनके राज्यों/संघ राज्य–क्षेत्रों के 4,123 ईआरओ को शामिल करके एक विस्तृत परामर्शी प्रयोग करने के साथ–साथ समय–समय पर आयोग द्वारा जारी चुनावी ढांचे, अनुदेशों और पुस्तिकाओं के 9,000 पृष्ठों वाले 76 प्रकाशनों की समीक्षा करने के बाद विकसित किया जा रहा है।ईसीआई–नेट के माध्यम से उपलब्ध कराए गए आंकड़े लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 तथा निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 और आयोग द्वारा समय–समय पर जारी अनुदेशों द्वारा स्थापित कानूनी ढांचों के सख्त दायरे के भीतर होंगे तथा इसके अनुरूप होंगे।

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से दून शहर में नए नए प्रोजेक्ट लाकर आधुनिकता की ओर ले जाने में जुटे डीएम सविन

–ऑटोमेटेड पार्किंग ट्रायल अंतिम चरण में; लोकार्पण जल्द

–तिब्बती मार्केट व कोरोनेशन में ऑटोमेटेड पार्किंग ट्रायल युद्धस्तर पर

–जनमन को ऑटोमेटेड पार्किंग की सुविधा का लाभ जल्द

देहरादून,। **इंडिया वार्ता ब्यूरो** देहरादून शहर में निर्माणाधीन स्मार्ट ऑटोमेटेड पार्किंग का कार्य अंतिम चरण में में है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश व जिलाधिकारी सविन बंसल के निरन्तर प्रयासों से जनपद देहरादून आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होने की ओर निरंतर अग्रसर है। इसी श्रृखला में शहर में शुरूआती चरण में तीन आटोमेटेड पार्किग कार्य अपने अंतिम चरण हैं। यह आधुनिक सुविधा जल्द ही आमजन को उपलब्ध होने जा रही है, जिसका मुख्यमंत्री जल्द लोकार्पण करेंगे। इस अत्याधुनिक पार्किंग से तिब्बती मार्केट के सामने, परेड ग्राउंड, तथा कोरोनेशन अस्पताल परिसर में पार्किंग की समस्या कम होगी साथ ही जनमानस को सुरक्षित व सुविधाजनक वाहन पार्किग की सुविधा मिलेगी। जिलाधिकारी के अभिनव कार्य से एक ओर जहाँ कोरोनेशन अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ अब भौतिक ढांचे को भी स्मार्ट बनाया जा रहा है, जिससे शहर की चिकित्सा व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित हो सकेगी। वहीं शहर के बढ़ती ट्रैफिक के दृष्टिगत शहर में व्यवस्थित रूप से पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने में डीएम का प्रोजेक्ट मील का पत्थर साबित होगा, आधुनिकता की दौड़ में ऑटोमेटेड पार्किंग जहां कम स्थान पर वाहनों की पार्किंग के सुविधा के लिए अच्छा प्रयास हैं।

खाली पेट ज्यादा पानी पीने से हो सकती हैं ये गंभीर समस्याएं

बहुत से लोग सुबह उठते ही खूब सारा पानी पीते हैं, क्योंकि इसे हेल्थ के लिए फायदेमंद माना जाता है. लेकिन क्या आपने सोचा है कि जरूरत से ज्यादा पानी पीना हानिकारक भी हो सकता है? खासकर अगर आप खाली पेट ज्यादा पानी पीते हैं, तो यह आपकी हेल्थ के लिए सही नहीं होता है. इसलिए यह जानना जरूरी है कि सुबह पानी पीने की सही मात्रा क्या होनी चाहिए और ज्यादा पानी से क्या परेशानियां होती है.

इलेक्ट्रोलाइट्स का असंतुलन

हमारा शरीर इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन पर निर्भर करता है. इलेक्ट्रोलाइट्स मिनरल्स होते हैं जो शरीर के कई महत्वपूर्ण कामों में मदद करते हैं. जब हम ज्यादा पानी पीते हैं, तो यह संतुलन बिगड़ सकता है. इससे कमजोरी, थकान, और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

किडनी पर दबाव बढ़ना

किडनी का काम शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालना होता है. जब हम जरूरत से ज्यादा पानी पीते हैं, तो किडनी पर दबाव बढ़ जाता है. इससे किडनी सही तरीके से काम नहीं कर पाती और आगे चलकर किडनी से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं.

हीपोनेट्रेमिया का खतरा

ज्यादा पानी पीने से शरीर में सोडियम का स्तर कम हो सकता है, जिसे हीपोनेट्रेमिया कहते हैं. यह स्थिति काफी गंभीर हो सकती है. इसके लक्षणों में उल्टी, मांसपेशियों में ऐंठन, और सिरदर्द शामिल हैं. अगर समय पर इसका इलाज न हो, तो यह जानलेवा भी हो सकता है.

पाचन तंत्र पर असर

खाली पेट ज्यादा पानी पीने से पाचन तंत्र पर भी असर पड़ सकता है. इससे पेट में गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

एक्सपर्ट्स की राय

एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुबह उठते ही पानी पीना हेल्थ के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन इसकी मात्रा पर ध्यान देना जरूरी है. सामान्य तौर पर 1-2 गिलास पानी पर्याप्त होता है. इससे ज्यादा पानी पीने से बचना चाहिए, खासकर अगर आपका पेट खाली है.

सही तरीका क्या है?

गुनगुना पानी पिएं: सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीना सबसे बेहतर होता है. यह आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करने में मदद करता है.

धीरे-धीरे पिएं: एक साथ ज्यादा पानी पीने से बचें. धीरे-धीरे पानी पिएं ताकि शरीर उसे अच्छे से अवशोषित कर सके.

अपनी जरूरत को समझें: हर व्यक्ति के शरीर की जरूरतें अलग होती हैं. अपनी दिनचर्या, मौसम, और शारीरिक गतिविधियों के हिसाब से पानी पिएं.

जरूरी बातें

सुबह खाली पेट पानी पीना हेल्थ के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन ज्यादा पानी पीने से बचना चाहिए. सही मात्रा और सही तरीके से पानी पीना आपकी हेल्थ के लिए बेहतर होगा.

घर में रॉक गार्डन बनाने के लिए इन बातों को ध्यान में रखना है जरूरी

अगर आप अपने घर को अलग लुक देना चाहते हैं तो यकीन मानिए रॉक गार्डन बनाने का आइडिया आपने लिए बेस्ट रहेगा। इसके लिए आपको गार्डन में इस्तेमाल होने वाली चीजों और बजट को ध्यान में रखते हुए शुरूआत करने की जरूरत है। यह गार्डन बनाते समय पत्थर से लेकर पौधे चुनने तक, कई बातों का ध्यान रखना जरूरी है। अगर आप घर की सजावट के लिए खूबसूरत रॉक गार्डन बनाना चाहते हैं तो इन बातों का ध्यान जरूर रखें।

पर्याप्त रोशनी वाली जगह का करें चुनाव

रॉक गार्डन देखने में तभी आकर्षक लगते है जब यह सही जगह पर बने हों। ऐसे में आपको सबसे पहले ऐसी जगह चुननी होगी, जहां रॉक गार्डन को पर्याप्त रोशनी मिल सके। ये मानव निर्मित गार्डन खुले और धूप वाली जगह पर ही अच्छे लगते हैं। आप अपनी छत पर रॉक गार्डन बना सकते हैं या फिर अगर आपके बाहर खुली जगह है तो आप उसमें भी रॉक गार्डन बना सकते हैं।

चीजों की लिस्ट बनाएं

रॉक गार्डन को तैयार करने से पहले एक लिस्ट बनाएं और उसमें उन चीजों को शामिल करें जिनकी जरूरत है। उदाहरण के लिए कौनसे पौधे चाहिए और सूरज की रोशनी के लिए इन्हें किस तरह की जगह पर लगाना है। ध्यान रखें कि रॉक गार्डन के पौधों को सूखी मिट्टी की आवश्यकता होती है। रॉक गार्डन के पौधों के चारों ओर एक खूबसूरत परत बनाने के लिए अलग-अलग पत्थरों का प्रयोग करना भी अच्छा है।

सही गमले और कंटेनर का करें चयन

अपने रॉक गार्डन के लिए आप मिट्टी के गमले या फिर प्लास्टिक की बड़ी बोतलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कांच के कंटेनरों का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि गमले और कंटेनर लगभग छह इंच लंबे हो और उनमें नीचे की ओर छेद हो ताकि मिट्टी से अतिरिक्त पानी बाहर निकल सके। गमलों और कंटेनर के नीचे एक प्लेट रखें ताकि उनमें से निकलने वाला पानी न फैलें।

रॉक गार्डन में लगाएं फूल वाले पौधे

फूल वाले पौधों से आपका रॉक गार्डन और ज्यादा खूबसूरत बन सकता है इसलिए इन्हें भी अपने गार्डन में जगह दें। आप अपने रॉक गार्डन में ये फूल वाले पौधे लगा सकते हैं-

पास्क: यह पौधा वसंत ऋतु में जल्दी खिलता है।

लैवेंडर: सुंदर बैंगनी फूल वाला यह पौधा थोड़ी उपजाऊ मिट्टी में तेजी से पनपते हैं। कोलंबिन: इस बारहमासी पौधे के फूलों का एक अनूठा आकार होता है, जो चिड़ियों को आपके गार्डन में आकर्षित करता है।

अपने गार्डन को दें एक स्टाइल और थीम

एक अच्छा रॉक गार्डन बनाने के लिए छत को एक स्टाइल और थीम दें और उस लिहाज से फर्नीचर सजाएं। इसके साथ छत के फर्श को नजरअंदाज न करें, क्योंकि यह गार्डन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसी फ्लोरिंग स्टाइल का चुनाव करें जो थीम के अनुरूप और आपके बजट के मुताबिक हो। अगर आप बास्केट या लटकाने वाले गमलों का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आप उसमें विभिन्न फूल, हर्ब्स और सब्जियां भी उगा सकते हैं।

कुर्सी के इस्तेमाल से की जा सकती हैं ये 5 एक्सरसाइज, रहेंगे स्वस्थ और फिट

आज की तेज-तर्रार दुनिया में कई लोगों के लिए जिम जाने के लिए समय निकालना मुश्किल हो सकता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि कसरत करना ही छोड़ दिया जाए।कसरत स्वस्थ जीवनशैली का एक अहम हिस्सा है, जिसे घर पर एक कुर्सी के जरिए भी किया जा सकता है।कुर्सी स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो और स्ट्रेचिंग करने के लिए एक अच्छा उपकरण हो सकता है।आइए जानें कि कुर्सी से कौन-कौन सी एक्सरसाइज की जा सकती हैं।

चेयर स्टेप-अप्स- सबसे पहले दोनों पैरों को कंधों की सीध में खोलकर कुर्सी के आगे खड़े हो जाएं।अब एक पैर से सीट पर चढ़ें, फिर इस पैर को नीचे करके दूसरे पैर को सीट पर चढाएं। इसी तरह बदल-बदलकर पैरों को 2-3 मिनट तक सीट पर रखें।यह एक्सरसाइज जल्दबाजी में करने से बचें क्योंकि इससे चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है।यहां जानिए शारीरिक संतुलन को सुधारने वाली एक्सरसाइज।

चेयर हैमस्ट्रिंग कर्ल- सबसे पहले एक कुर्सी के पीछे खड़े होकर दोनों हाथ बैकरेस्ट पर रखें।अब दाएं पैर को फर्श से ऊपर उठाएं और थोड़ा रूककर पैर को वापस फर्श पर रखें। ऐसा ही बाएं पैर से भी करें। इस अभ्यास को 15 बार दोहराएं।कुछ दिनों या हफ्तों तक अपने हाथों को बैकरेस्ट पर टिकाकर यह एक्सरसाइज करें।एक बार जब आप इसमें सहज हो जाएं तो संतुलन सुधारने के लिए हाथों को बैकरेस्ट से हटा लें।

चेयर पुशअप्स- सबसे पहले दीवार के सहारे एक कुर्सी रखें ताकि एक्सरसाइज करते हुए कुर्सी स्लिप न हो। इसके बाद दोनों हथेलियों को कुर्सी की सीट पर रखें।इस दौरान पीठ को सीधा और पैरों को एक साथ चिपकाएं रखें। इसके बाद 2-3 मिनट तक सामान्य तरीके से पुशअप्स करें, फिर धीरे-धीरे एक्सरसाइज को छोड़े।यहां जानिए विभिन्न तरीके से की जाने वाली पुशअप्स एक्सरसाइज।

चेयर जंप स्क्वाट- इस एक्सरसाइज के लिए एक छोटी, लेकिन मजबूत कुर्सी का इस्तेमाल करें।अब दोनों पैरों को कंधे की चौड़ाई तक फैलाकर सीधे खड़े हो जाएं।इसके बाद छलांग मारते हुए कुर्सी की सीट पर चढ़ें, फिर सीट से उतरकर वापस फर्श पर कूदें। रोजाना 5-8 मिनट तक इस एक्सरसाइज का अभ्यास करें।ध्यान रखें कि कुर्सी ज्यादा ऊंची न हो क्योंकि इससे चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है।

चेयर माउंटेन क्लाइंबर- सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठें, फिर दोनों हथेलियों को कुर्सी की सीट पर रखें।अब दोनों पैरों को पीछे की ओर सीधा कर लें। इसके बाद दाएं पैर के घुटने को मोड़ें और इसे अपनी छाती की ओर लाएं।इसके बाद इसे सीधा करें। जब आप दाएं पैर को सीधा करें तो अपने बाएं पैर के घुटने को अपनी छाती की ओर लाएं।कुछ मिनट तक ऐसे ही अपने पैरों को चलाते रहें।

जलवायु संकट का कोई सार्वभौमिक समाधान नहीं

आईपीसीसी की ताजा रिपोर्ट इस बात की गवाही देती है कि दुनिया प्रदूषण उत्सर्जन न्यूनीकरण के लक्ष्यों को हासिल कर पाने की राह पर नहीं है। इस मार्ग पर आगे बढ़ने के लिये जरूरी है कि प्रयासों को दोगुना किया जाए और नुकसान को जहां तक हो सके, कम किया जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनिया गुटेरेस ने जलवायु परिवर्तन से सम्बन्धित संयुक्त राष्ट्र के अंतरसरकारी पैनल (आईपीसीसी) की नयी रिपोर्ट पेश करते वक्त एक चेतावनी भरा वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि "दुनिया नींद में एक जलवायु प्रेरित तबाही की तरफ बढ़ती जा रही है।'' समाधान पर आधारित इस रिपोर्ट में जलवायु संकट के विज्ञान और उसके प्रभावों के बारे में पूर्व में जारी रिपोर्टों से भी तथ्य लिये गये हैं। आईपीसीसी की रिपोर्ट वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की जाती है, मगर 195 सरकारें उनकी समीक्षा के साथ-साथ अनुमोदन भी करती हैं। यह एक श्रमसाध्य और परत-दर-परत प्रक्रिया है जो इसी हफ्ते सम्पन्न हुई है।

तो जलवायु संकट आखिर है कितना बुरा? वर्ष 2010-2019 इतिहास का ऐसा दशक साबित हुआ जब दुनिया में प्रदूषणकारी तत्वों का सबसे ज्यादा उत्सर्जन हुआ। हालांकि इसकी रफ्तार कम है और विभिन्न क्षेत्रों और सेक्टरों में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में गहन और फौरी गिरावट नहीं लायी गयी तो वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य पहुंच से बाहर हो जाएगा।

क्या यह कयामत के दिन का पैगाम है? नहीं, मगर यह हमारे आंखें खोलने वाला है कि आखिर कैसे हमें सामने खड़ी चुनौतियों के बारे में सोचने के अपने नजरिये में बारीकी से बदलाव करना चाहिये। डेढ़ या 2 डिग्री सेल्सियस पर ध्यान देने के बजाय यह ज्यादा उपयोगी होगा कि हम ऐसे रास्ते तलाशें जिनसे वार्मिंग को जहां तक सम्भव हो सके जल्द से जल्द कम किया जा सके। उदाहरण के तौर पर 1.5 डिग्री सेल्सियस 1.6 डिग्री से बेहतर है। उसी तरह 1.6 डिग्री, 1.7 डिग्री सेल्सियस से बेहतर है। इसी तरह यह सिलसिला आगे चलाया जा सकता है। ऐसा करने के लिये वर्ष 2030 से पहले वैश्विक स्तर पर 27-43 डिग्री सेल्सियस के बीच गहरी गिरावट लानी पड़ेगी ताकि ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि को 1.5-2 सेल्सियस तक सीमित किया जा सके। इसके अलावा भविष्य के ऐसे नेट जीरो लक्ष्य भी तय किये जाने चाहिये, जो सुर्खियां बनें।

लिहाजा, रिपोर्ट के ज्यादातर हिस्से में प्रगति के संकेतों और भविष्य के समाधानों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। इसमें ऊर्जा, जमीन, निर्माण, परिवहन तथा मांग सम्बन्धी नीतिगत विकल्पों की एक व्यापक श्रंखला दी गयी है, ताकि उत्सर्जन को वर्ष 2030 तक 20 डॉलर प्रति टन कार्बन डाई ऑक्साइड इक्वेलेंट (टीसीओ2ई) तक कम किया जा सके। या फिर शुद्ध लाभ के साथ भी और 100 डॉलर प्रति टीसीओ2ई के तहत 25 प्रतिशत की अतिरिक्त कटौती की जा सके। साथ ही साथ प्रमुख प्रौद्योगिकियों, जैसे कि सौर ऊर्जा और बैटरियों की कीमतों में 2010 से अब तक 85 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। वहीं, वायु बिजली की लागत भी 55 प्रतिशत तक कम हुई है।

इन मौकों का फायदा उठाया जा रहा है और इसके सुबूत भी हैं। दुनिया भर में अनेक अन्य नीतियां भी लागू की जा रही है। इस बात के सुबूतों की संख्या लगातार बढ़ रही है कि इन नीतियों से ऊर्जा दक्षता बढ़ रही है, वनों का कटान कम हो रहा है और अक्षय ऊर्जा क्षमता को ऊर्जा के मुख्य स्रोत के रूप में इस्तेमाल बढ़ रहा है। वर्ष 2020 तक दुनिया के 56 देशों में उत्सर्जन का 53 प्रतिशत हिस्सा जलवायु को समर्पित कानूनों के दायरे में लाया जाता था। वहीं ऊर्जा दक्षता तथा भू-उपयोग जैसे 690 कानून प्रदूषण उत्सर्जन पर अप्रत्यक्ष रूप से अंकुश लगाते थे। कम से कम एक अध्ययन से यह पता चलता है कि इन सभी कानूनों और नीतियों का प्रभाव ऐसा है कि उनसे एक साल में उत्सर्जन में करीब 10 प्रतिशत की कमी लायी जा सकती है।

रिपोर्ट और आगे बढ़कर यह आग्रह करती है कि सभी देशों को, चाहे वे अमीर हों या गरीब, अपने विकास के रास्तों को सततता की तरफ मोड़ने के बारे में सोचना चाहिये। इसका यह मतलब है कि व्यापक आर्थिक और सामाजिक स्थानांतरण जलवायु न्यूनीकरण के परिणाम हासिल करने के लिये उतने ही महत्वपूर्ण हैं, जितने कि निम्न-कार्बन प्रौद्योगिकियां।

इस हिसाब से देखें तो नगरों की भविष्य की योजनाओं को जलवायु सम्बन्धी निर्णयों के चश्मे से भी देखा जा रहा है क्योंकि ऐसे फैसलों के जरिये नगरों के अंदरूनी हिस्सों को कारोबार और जीवन दोनों के ही लिये अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकता है। इससे परिवहन लागतों के साथ-साथ प्रदूषणकारी तत्वों के उत्सर्जन में भी कमी लायी जाती है। रोजगार सृजन की रणनीतियों में भविष्य के उद्योगों को भी शामिल किया जा सकता है, जिनमें से कई में निम्न-कार्बन विकल्प शामिल हैं। तेजी से विकसित हो रहे देशों के लिये भविष्य की जलवायु से सम्बन्धित सरोकारों को भी खासतौर पर नीतियों का अभिन्न्न अंग बनाना महत्वपूर्ण है, ताकि आगे चलकर उच्च कार्बन वाले उपायों पर अटकने वाली स्थितियों को टाला जा सके।

तस्वीर का दूसरा पहलू भी सच है। उत्सर्जन में ज्यादा कटौती नहीं हुई तो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव विकास की दिशा में हुई प्रगति का मूल्य कम कर देंगे। दूसरे शब्दों में मुख्यधारा के विकास निर्णय दरअसल जलवायु सम्बन्धी फैसले भी होते हैं। इस तरह से जलवायु संकट और विकास के बीच संबंधों के बारे में सोचने से कई और निम्न कार्बन मार्ग खुलते हैं जो सामाजिक रूप से सकारात्मक परिणाम भी देते हैं। यहां कहने का यह मतलब कतई नहीं है कि इस दृष्टिकोण को लागू करना आसान या सीधी सी बात है। दरअसल, इनमें से हरेक को अलग-अलग लेने की तुलना में इन परस्पर जुड़ी समस्याओं पर विचार करना यकीनन ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। मगर यह भी कहना ठीक है कि जलवायु संकट की प्रकृति को देखते हुए अब यह भी जरूरी हो गया है। रिपोर्ट में कम से कम दो अतिरिक्त कारकों को रेखांकित किया गया है जिन्हें इस रास्ते को अपनाने से पहले हल करने की जरूरत है। पहला, जहां विकास निर्णयों में जलवायु संकट को आंतरिक करने से भविष्य में बड़े लाभ मिल सकते हैं, इसके लिए पर्याप्त अग्रिम निवेश लागत की भी आवश्यकता हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय प्रवाह वर्तमान में 2030 तक अनुमानित जरूरतों की तुलना में 3-6 गुना कम है। हालांकि यह अनुपात दुनिया के कुछ हिस्सों में विशेष रूप से विकासशील क्षेत्रों में बहुत ज्यादा है।

दूसरा, सरकारों को ये जटिल रूपांतरण सम्भालने के लिये अपनी क्षमता का निर्माण करने की जरूरत है। निम्न-कार्बन अवसरों के माध्यम से रणनीतिक रूप से सोचने के लिए, कई क्षेत्रों और पैमानों पर समन्वय स्थापित करने और जोखिम से घिरी आबादी पर विघटनकारी परिवर्तनों के प्रभावों को सीमित करने के लिए जलवायु के लिहाज से तैयार एक राज्य के निर्माण की जरूरत होती है।

आखिरकार, यह रिपोर्ट इस बात को बिल्कुल साफ करती है कि विकास रूपांतरण के रास्ते हर देशों के हिसाब से अलग-अलग होने जा रहे हैं और समस्या का कोई सार्वभौमिक समाधान नहीं है। हालांकि, यह रिपोर्ट वे सारी चीजें प्रदान करती है जिनका उपयोग देशों में नीति निर्माता संदर्भ-विशिष्ट तरीकों को आगे बढ़ाने के लिए कर सकते हैं। जैसे कि रूपरेखाएं, संस्थान, नीतियां और प्रौद्योगिकियां।दुनिया जलवायु परिवर्तन को लेकर अंतरराष्ट्रीय संवाद प्रक्रिया के तहत तय किये गये उत्सर्जन न्यूनीकरण के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में निश्चित रूप से आगे नहीं बढ़ रही है। मगर उसे न्यूनीकरण के प्रयासों को आईपीसीसी के आकलन के अनुरूप फिर से दोगुना करना चाहिये ताकि नुकसान को जहां तक हो सके, कम किया जा सके।

स्लीप हाइजीन क्या है?

स्लीप हाइजीन उन आदतों के बारे में है, जो अच्छी नींद के लिए अनुकूल मानी जाती हैं।इसे यूं समझ लीजिए कि जिस तरह हम स्वस्थ रहने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखते हैं, उसी तरह गुणवत्तापूर्ण नींद के लिए अच्छी स्लीप हाइजीन आवश्यक है।स्लीप हाइजीन को व्यवस्थित करने से आपको तेजी से नींद आने, देर तक सोने और जागने पर तरोताजा महसूस करने में मदद मिल सकती है।

सोने और जागने का एक समय निर्धारित कर लें

हर दिन एक ही समय पर बिस्तर पर सोने के जाएं और जागें, यहां तक अपनी छुट्टी वाले दिनों में भी।यह तरीका आपकी सर्कैडियन लय को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, जिससे आपके लिए सोना और जागना आसान हो जाएगा।बता दें कि सर्कैडियन लय मानव शरीर की आंतरिक घड़ी होती है, जो प्रकाश के संपर्क के आधार पर नींद और जागने के चक्र पर काम करती है।

शरीर को आराम देने वाली गतिविधियां अपनाएं

बेहतर नींद के लिए शरीर से तनाव कम होना चाहिए।इसके लिए अपनी मनपसंद किताब पढ़ सकते हैं या फिर गुनगुने पानी से नहा सकते हैं।सोने से पहले किताबें पढना़ या गुनगुने पानी से नहाना आपके मन को शांत कर सकता है। इन आरामदायक गतिविधियों के जरिए शरीर आराम की स्तिथि में आ जाता है और तनाव कम हो जाता है।साथ ही सोने से पहले इन गतिविधियों से अनिद्रा की समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

साफ-सुथरा माहौल बनाए रखें

बेहतर नींद के लिए सोने के मूड में आना जरूरी है।कई लोग सोना तो चाहते हैं, लेकिन उनके मन में बहुत भटकाव होता है।इसकी वजह आस-पास का माहौल भी हो सकता है। सोने के लिए मूड के साथ, कमरे में अंधेरा, शांति और आरामदायक जगह का होना जरूरी है।अच्छी नींद आए इसके लिए कमरे और बिस्तर का साफ-सुथरा होना बहुत जरूरी होता है।यहां जानिए दिन में झपकी लेने के फायदे।

अच्छे तकिये और गद्दे चुनें

अगर आप बेहतर नींद पाना चाहते हैं तो अपने नींद वाले कमरे का माहौल सोने के लिए आरामदायक बनाएं।इसके लिए आप अपने बिस्तर का गद्दा और तकिये मुलायम चुन सकते हैं क्योंकि अगर आपका गद्दा और तकिया चुभने वाला होगा तो वह आपको पूरी रात परेशान करेगा और सोने भी नहीं देगा।यहां जानिए स्लीप एपनिया के जोखिम करने के लिए कुछ आसान और प्रभावी तरीके।

स्क्रीन को कमरे से दूर रखें

अगर सोने वाले कमरे में टीवी, मोबाइल या लैपटॉप जैसे उपकरण होंगे तो आप न जाने कितनी देर तक इन्हीं के इस्तेमाल में लगेंगे और नींद नहीं आएगी।इसलिए अगर आप यह चाहते हैं कि आपको समय से नींद आ जाए तो अपने मोबाइल आदि को बंद करके सो जाएं।वहीं अगर सुबह जल्दी उठना है तो फोन जैसे उपकरण की बजाय अलार्म घड़ी में अलार्म सेट करके सोएं।

सुबह उठकर आपको सबसे पहले क्या करना चाहिए?

सुबह का समय हमारे दिन की शुरुआत करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है. अगर हम इसे सही तरीके से शुरू करें, तो पूरा दिन ऊर्जा और ताजगी से भरपूर हो सकता है. लेकिन अक्सर लोग सुबह उठकर क्या करना चाहिए, इसे लेकर उलझन में रहते हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि सुबह उठते ही सबसे पहले क्या करना चाहिए, ताकि आप पूरे दिन को बेहतर और हेल्दी बना सकें.

सकारात्मक सोच के साथ दिन की शुरुआत करें

सुबह उठते ही सबसे पहले अपने मन में सकारात्मक विचार लाएं. खुद से कहें कि आज का दिन अच्छा रहेगा और आप सभी कामों को अच्छी तरह से पूरा करेंगे. यह आदत आपके दिन की शुरुआत को बेहतर बनाएगी और आपको आत्मविश्वास से भर देगी.

गहरी सांसें लें और ध्यान करें

बिस्तर से उठने से पहले कुछ मिनट के लिए गहरी सांसें लें और ध्यान करें. इससे आपका मन शांत होता है और आप तनावमुक्त महसूस करते हैं. ध्यान से मानसिक शांति मिलती है और आप दिन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हो जाते हैं.

एक गिलास पानी पिएं- रात भर सोने के बाद हमारा शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है, इसलिए सुबह उठते ही सबसे पहले एक गिलास पानी जरूर पिएं. पानी पीने से शरीर को एनर्जी मिलती है. पाचन क्रिया बेहतर होती है, और आपके शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं.

हल्की स्ट्रेचिंग करें- बिस्तर से उठने के बाद हल्की स्ट्रेचिंग या कुछ योगासन करें. इससे आपके शरीर की मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं और आप दिनभर ऊर्जावान महसूस करते हैं. स्ट्रेचिंग करने से शरीर में रक्त संचार भी बेहतर होता है.

चेहरा धोना- सुबह चेहरा धोना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे नींद की सुस्ती दूर हो जाती है और आप ताजगी महसूस करते हैं. ठंडे पानी से चेहरा धोने से त्वचा में जान आ जाती है और आप दिन की शुरुआत तरोताजा होकर कर सकते हैं. अगर चाहें तो माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल भी कर सकते हैं, जो आपकी त्वचा को साफ और कोमल बनाए रखेगा. यह छोटी सी आदत आपके चेहरे को फ्रेश लुक देने के साथ-साथ आपको पूरे दिन ऊर्जा से भरपूर रखती है.

हल्का नाश्ता करें- सुबह का नाश्ता बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपके शरीर को दिनभर की ऊर्जा प्रदान करता है. हल्का और पौष्टिक नाश्ता करें, जैसे फल, ओट्स, या दही. इससे आपका शरीर हेल्दी रहता है और आप काम करने के लिए तैयार रहते हैं. इन आसान आदतों को अपने रोजमर्रा के रूटीन में शामिल करें और देखें कि कैसे आपका दिन ऊर्जा से भर जाता है. जब आप सुबह की शुरुआत सही तरीके से करेंगे, तो पूरा दिन अच्छा और एनर्जेटिक महसूस होता है.

राज शांडिल्य की नई फिल्म द वर्डिक्ट 498ए का ऐलान

बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर राज शांडिल्य ने अपनी अगली फिल्म 'द वर्डिक्ट 498ए' की घोषणा कर दी है. यह फिल्म धारा 498ए के कथित दुरुपयोग और झूठे आरोपों पर आधारित होगी. अनिंद्य बिकास दत्ता के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है, जो दीसांशु शुक्ला नाम के एक इंजीनियर-टर्न-एडवोकेट की जिंदगी पर आधारित होगी धारा 498ए का उद्देश्य महिलाओं को दहेज उत्पीडऩ से बचाना था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसके दुरुपयोग के कई मामले सामने आए हैं. द वर्डिक्ट 498ए इसी विषय पर प्रकाश डालती है, जहां एक व्यक्ति अपनी पूरी जिंदगी झूठे आरोपों से लडऩे में गुजार देता है. फिल्म के निर्माता राज शांडिल्य और विमल लाहोटी हैं. यह फिल्म हिंदी में शूट होगी और तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी.

फिल्म की कहानी दीसांशु शुक्ला नाम के एक इंजीनियर पर आधारित है, जिन्होंने अपनी शानदार नौकरी छोडक़र वकील बनने का फैसला किया. उन्होंने धारा 498ए के गलत इस्तेमाल के खिलाफ एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और कई निर्दोष लोगों को न्याय दिलाया.

डायरेक्टर अनिंद्य बिकास दत्ता, जो अपनी बंगाली फिल्मों के लिए मशहूर हैं, इस फिल्म का निर्देशन करेंगे. फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और जल्द ही फ्लोर पर जाएगी. फिल्म की कास्टिंग को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं. माना जा रहा है कि इस फिल्म में दमदार परफॉर्मेंस देने वाले कलाकारों को शामिल किया जाएगा.

द वर्डिक्ट 498ए एक ऐसा विषय उठाने जा रही है, जो समाज में गहरी छाप छोड़ सकता है. राज शांडिल्य, जो अब तक 'ड्रीम गर्ल' और 'ड्रीम गर्ल 2' जैसी कॉमेडी फिल्में बना चुके हैं, इस बार एक गंभीर और संवेदनशील विषय पर फिल्म लेकर आ रहे हैं. यह देखना दिलचस्प होगा कि दर्शक इस सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म को कैसे स्वीकार करते हैं.

कमल हासन की ठग लाइफ का पहला गाना जिंगुचा जारी, 5 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ रिलीज होने वाली है। चेन्नई में इस फिल्म की पहली प्रेस मीट हुई। प्रेस मीट में अभिनेता कमल हासन, निर्देशक मणिरत्नम और म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान पहुंचे। फिल्म का पहला गाना जिंगुचा लॉन्च किया गया। ठग लाइफ पांच जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। यह गैंग्स्टर एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। इस फिल्म को कमल हासन और मणिरत्नम ने मिलकर लिखा है। कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज, आर महेंद्रन और शिवा अनंत निर्मित ठग लाइफ में कई बेहतरीन कलाकार भी शामिल हैं। फिल्म में कमल हासन के अलावा सिलाम्बरासन, त्रिषा कृष्णन, अशोक सेलवन, नस्सर, अली फजल, पंकज त्रिपाठी सान्या मल्होत्रा और ऐश्वर्या लक्ष्मी हैं। इसके म्यूजिक कंपोजर ए आर रहमान हैं।

आपको बता दें कि इस फिल्म का एलान नवंबर 2022 में किया गया था। यह कमल हासन की बतौर लीड एक्टर 234वीं फिल्म है। पिछले महीने कमल हासन, ए आर रहमान और मणिरत्नम को एक साथ देखा गया था। तभी से चर्चाएं थीं कि तीनों फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए ही काफी दिनों बाद ए आर रहमान, कमल हासन और मणिरत्नम एक साथ आए हैं।

इस फिल्म से हासन और रत्नम की जोड़ी पिछली फिल्म नायकन (1987) के बाद वापसी कर रही है। इसे राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मद्रास टॉकीज और रेड जायंट मूवीज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। मणिरत्नम इस फिल्म को निर्देशित कर रहे हैं। एआर रहमान ने फिल्म में बेहतरीन संगीत दिया है। कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली ठग लाइफ 5 जून 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

केजीएफ चैप्टर 3 हुई कंफर्म, थिएटर्स में रॉकी भाई बनकर जल्द आने वाले हैं यश

सुपरस्टार यश की केजीएफ ने दुनियाभर में सफलता के नए आयाम स्थापित किए हैं और आज भी दर्शक रॉकी भाई के दीवाने थे. फ्रेंचाइजी के दो पार्ट ब्लॉकबस्टर होने के बाद फैंस को इसके तीसरे पार्ट का बेसब्री से इंतजार था और अब सुपरस्टार ने ये इंतजार भी खत्म कर दिया है. दरअसल केजीएफ 2 के 3 साल पूरे का मेकर्स ने एक स्पेशल वीडियो शेयर करते हुए जश्न मनाया और इसी के साथ चैप्टर 3 भी अनाउंस कर दिया.

अप्रैल 2022 में रिलीज होने वाली ब्लॉकबस्टर फिल्म केजीएफ- चैप्टर 2 के तीन साल पूरे हो चुके हैं इस मौके पर प्रोडक्शन हाउस होम्बले फिल्म्स ने फिल्म के यादगार पलों को दिखाते हुए स्पेशल वीडियो मोंटाज शेयर किया. इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, केजीएफ- चैप्टर 2 के 3 साल पूरे होने का जश्न. एक भयानक तूफान जिसने सिल्वर स्क्रीन को हिला दिया, सिनेमाघरों को जश्न के अखाड़े में बदल दिया, और सोने में उकेरी गई विरासत छोड़ गया. वीडियो में कई यादगार सीन फिर से दिखाए गए लेकिन आखिरी में दिए गए एक वॉयसओवर ने दर्शकों का ध्यान खींचा. वॉयसओवर है, केजीएफ की कहानी... रॉकी की कहानी... यह अधूरी नहीं रह सकती. इसके तुरंत बाद स्क्रीन पर केजीएफ चैप्टर 3 लिखा आता है साथ ही रॉकी भाई कहते हैं- जल्द ही मिलते हैं. एक न्यूजवायर के साथ पहले के एक इंटरव्यू में यश ने खुद कंफर्म किया कि केजीएफ 3 पाइपलाइन में है. रॉकी भाई का रोल निभाने वाले यश ने कहा था, केजीएफ 3 जरूर बनेगी, मैं वादा करता हूं. लेकिन मैं इन दो प्रोजेक्ट्स (टॉक्सिक और रामायण) पर फोकस कर रहा हूं.

देहरादून में वैश्य महासम्मेलन की बैठक आयोजित

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून, । अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अशोक अग्रवाल के नेतृत्व में देहरादून में उत्तर भारत के सभी प्रदेशों की मैनेजिंग कमेटी की बैठक यहां स्थानीय होटल जीएमएस ग्रैंड कम्फर्ट होटल में हुई। बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर व कुलदेवी माँ लक्ष्मी के चित्र पर माल्यार्पण–पुष्पांजलि के साथ किया गया। मैनेजिंग कमेटी में मुख्य रूप से मुख्य अतिथि कपिल देव अग्रवाल (कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) अजय गुप्ता (राष्ट्रीय महामंत्री) दिनेश गुप्ता (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष) पूर्व मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष रामगोपाल, प्रदेश महामंत्री दीपक सिंगल, प्रदेश यूथ अध्यक्ष लच्छू गुप्ता, प्रदेश महिला बिंग रमा गोयल, कुलभूषण अग्रवाल, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, दिनेश चंद गोयल, नितिन जैन प्रदेश कोषाध्यक्ष प्रदेश मीडिया कोऑर्डिनेटर मधु सचिन जैन उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी दर्जाधारी श्याम अग्रवाल का विशाल गुप्ता द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया।बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के साथ–साथ आगे होने जा रही जातीय जनगणना के लिए भीघ सभी प्रदेश अध्यक्ष/महामंत्री को विशेष टिप्स दिए गए। जिससे पूरा जनसंख्या डाटा सही से आ सके। बैठक में कई प्रस्ताव पासघ किए गए। उत्तराखंड एवं संपूर्ण भारत में वैश्य समाज राजनीतिक क्षेत्र में सरकार भागीदारी बढ़ाना पिछली बार बहुत टिकट काटे गए जिसकी पुनरावृति दुबारा न हो। एक लाख से ऊपर ब्लड यूनिट का लक्ष्य रखने की बात कही गई। ब्लड डोनेशन में सभी संस्थाएं शामिल करने पर जोर दिया गया, जैसे रोटरी क्लब, लायंस क्लब आदि। वैश्य समाज की राजनीतिक क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। कहा गया कि इसके लिए सभी वैश्य भेदभाव मिटाकर सपोर्ट करें। उत्तराखंड में पिछले दिनों राजनीति में जिस तरह वैश्य समाज की अनदेखी की गई वह भविष्य में दुबारा न हो, ऐसी कोशिश हम करेंगे और बढ़चढकर पूर्ण प्रयास करेंगे। साथ ही वैश्य समाज को एकजुट होने का संदेश दिया जिसमें सभी समाज को सफलता की ओर ले जाने का प्रयत्न करें, समाज अगर तरक्की करेगा तो हर जगह वह अपनी जगह बना पाएगा। चाहे वह राजनीतिक क्षेत्र हो सामाजिक क्षेत्र हो या धार्मिक क्षेत्र हो। इस मौके पर 9 राज्यों से आए प्रतिनिधि शामिल रहे। जिसमें देहरादून, रुड़की, नॉर्थ जॉन से आए सभी लोगों की सहभागिता रही। इस अवसर पर रमेश गोयल, सचिन जैन, अनिल गोयल, वैभव गोयल, राहुल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

खनन माफियाओं के हौसले बुलंद, डंपरों को रोकने के लिए वन कर्मियों को चलानी पड़ी गोली

इंडिया वार्ता ब्यूरो

रामनगर, । खनन माफियाओं ने पकड़े गए डंपर छुड़ाने के लिए वन विभाग की टीम पर हमला बोल दिया। हालात बेकाबू होते देख वन विभाग की टीम को गोलियां चलाई पड़ी। जिसके चलते दो डंपरों को रोका जा सका, लेकिन माफिया फरार होने में कामयाब हो गई। वहीं, दोनों डंपरों को कब्जे में ले लिया गया है। उधम सिंह नगर के तराई पश्चिमी वन प्रभाग क्षेत्र में खनन माफियाओं की हिम्मत इस कदर बढ़ गई कि उन्होंने वन विभाग की टीम को घेर कर जबरन डंपर छुड़ाने की कोशिश की। वन विभाग की टीम अवैध खनन पर नजर रखने के लिए सुल्तानपुर पट्टी में गश्त कर रही थी। इसी दौरान टीम ने दो डंपारों को रोका। जब इन डंपरों की जांच की गई तो पाया गया कि इनके पास न तो कोई रॉयल्टी थी, न ही खनन से जुड़ा कोई वैध कागजात। ऐसे में वन विभाग की टीम ने दोनों डंपरों को जब्त कर एक को बन्नाखेड़ा रेंज और दूसरे को पट्टी ले जाने की कार्रवाई शुरू की, लेकिन जैसे ही टीम रतनपुरा गांव के पास पहुंची. तभी अचानक कुछ गाड़ियां स्कॉर्पियो, थार और बाइक रास्ता रोककर खड़ी हो गई। बताया जा रहा है कि ये गाड़ियां डंपर मालिकों और उनके साथियों की थी। प्रकाश आर्या, डीएफओ, तराई पश्चिमी ने बताया कि उनकी टीम ने उन्हें शांत करने की कोशिश की, लेकिन वो झगड़ा करने पर उतारू हो गए। उनके स्टाफ से धक्का–मुक्की की गई और डंपर जबरन छुड़ाने का प्रयास करने लगे। हालात बिगड़ते देख वन विभाग की टीम ने तत्काल पुलिस को सूचना दी, लेकिन खनन माफियाओं की हिम्मत इतनी बढ़ चुकी थी कि उन्होंने रुकने से ही इनकार कर दिया। ऐसे में स्थिति नियंत्रण से बाहर होते देख एसडीओ ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से डंपरों के टायरों पर गोली चला दी। जिससे डंपर मौके पर ही रुक गए और माफिया का मंसूबा नाकाम हो गया।

विवेक अग्रवाल पुनः बने जनरल मर्चेंटस एसोसिएशन के प्रधान

देहरादून, । जनरल मर्चेंट्स एसोसिएशन की एक आम सभा जैन धर्मशाला गांधी रोड पर रविवार को संपन्न हुइ। जिसमें नई कार्य करणी का चुनाव हुआ चुनाव अधिकारी सुधीर जैन एवं राजकुमार अरोड़ा ने चुनाव संपन्न कराया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में प्रधान विवेक अग्रवाल उप प्रधान सुधीर अग्रवाल, महामंत्री राजकुमार गोयल, कोषाध्यक्ष अजय गर्ग, मंत्री धन प्रकाश गोयल, सह कोषाध्यक्ष प्रदीप नागलिया, सर्व समिति से चुने गए। कार्यकारणी में संरक्षक सुधीर कुमार जैन सदस्य कार्यकारिणी मोहनलाल विरमानी, ज्ञान प्रकाश, श्याम अरोड़ा, राजेंद्र वाधवा, मोहित मित्तल, आयुष जैन, हरि ओम महावर, दीपक तायल, सौरव भटनागर, सुरेंद्र गोयल, रितेश अग्रवाल, अभी ठाकुर चुने गए इसके अलावा विशेष आमंत्रित मे अनिल कुमार गोयल, राजकुमार अरोड़ा, और मुनीष विरमानी को लिया गया।

नवनिर्वाचित प्रधान विवेक अग्रवाल ने बताया कि इस साल जनरल मर्चेंट एसोसिएशन अपने मेंबर्स के लिए मेडिकल फ्री चेकअप कैंप लगाएगी, पांच दिवसीय योगा कैंप का भी आयोजन किया जाएगा।

प्रिन्सपलस प्रग्रेसिव स्कूलस एसोसिएशन की अंतर–विद्यालयीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून, । प्रिन्सपलस प्रग्रेसिव स्कूलस एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतर–विद्यालयीय पीपीएसए बैडमिंटन प्रतियोगिता का उद्घाटन द पैस्टल वीड स्कूल, ओक हिल स्टेट, मसूरी डायवर्जन रोड, देहरादून में हुआ। 12 स्कूलों ने इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन में भाग लिया, जो इस प्रकार से हैं केसी पब्लिक स्कूल, देहरादून, दून स्कॉलर्स, दून इंटरनेशनल स्कूल, रिवर साइड, चिल्ड्रन्स अकादमी, समर वैली स्कूल, दून इंटरनेशनल स्कूल, सिटी कैंपस, मा आनंदमयी स्कूल, द एशियन स्कूल, संत कबीर अकादमी, गुरु नानक अकादमी, यूनिवर्सल अकादमी एवं मेजबान स्कूल, द पेसल वीड स्कूल, देहरादून शामिल हैं।

इन स्कूलों के 160 खिलाड़ी, 6 आयु वर्गों (यू–14, यू–17 और यू–19, लड़के एवं लड़कियां) में भाग ले रहे हैं और टीम एवं व्यक्तिगत खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह आयोजन खेल कौशल और उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन होगा, जिसमें सभी प्रतिभागियों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा। अंडर–14 बॉयज सेमीफाइनल में दून इंटरनेशनल स्कूल, रिवर साइड (बनाम) मा आनंदमयी स्कूल पहला सेमीफाइनल, दून स्कॉलर्स (बनाम) पैस्टल वीड स्कूल के बीच दूसरा सेमीफाइनल हुआ। अंडर–14 गर्ल्स सेमीफाइनल मा आनंदमयी स्कूल (बनाम) चिल्ड्रन्स एकेडमी के बीच पहला सेमीफाइनल और द पैस्टल वीड स्कूल (बनाम) दून इंटरनेशनल स्कूल सिटी कैंपस के बीच दूसरा सेमीफाइनल हुआ। अंडर–17 बॉयज सेमीफाइनल द एशियन स्कूल (बनाम) आनंदमयी स्कूल के बीच पहला सेमीफाइनल और दून स्कॉलर्स (बनाम) संत कबीर स्कूल के बीच दूसरा सेमीफाइनल हुआ। अंडर–17 गर्ल्स सेमीफाइनल दून इंटरनेशनल स्कूल, रिवर साइड (बनाम), दून इंटरनेशनल स्कूल सिटी कैंपस के बीच पहला सेमीफाइनल और संत कबीर अकादमी (बनाम) द पैस्टल वीड स्कूल के बीरच दूसरा सेमीफाइनल हुआ। अंडर–19 फाइनल मुकाबले द पैस्टल वीड स्कूल (बनाम) द एशियन स्कूल बॉयज फाइनल दून इंटरनेशनल स्कूल, सिटी कैंपस (बनाम) द पैस्टल वीड स्कूल गर्ल्स फाइनल हुआ। इस अवसर पर निदेशकों की प्रगतिशील स्कूल संघ के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कश्यप ने खिलाड़ियों को संबोधित किया और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। अपने प्रेरणादायक भाषण में उन्होंने खेल के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है, बल्कि अनुशासन, समर्पण और टीम भावना को भी मजबूत करता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और खेल की भावना के साथ प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के आगामी दिनों में भी रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है, जिसमें विभिन्न स्कूलों के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पीपीएसए आशा करता है कि यह आयोजन सभी प्रतिभागियों के लिए सीखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अतिथि...

जबरदस्त उत्साह है। 30 अप्रैल 2025 से प्रारम्भ हुई चारधाम यात्रा के पंजीकरण के तहत अभी तक 24,37, 444 (चौबीस लाख सैंतीस हजार चार सौ चवालीस) यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। जबकि डेढ़ लाख के लगभग श्रद्धालु अभी तक धामों में दर्शनों का लाभ उठा चुके हैं। धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री महाराज ने बताया कि फरवरी 2025 से शुरू हुई जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों की ऑनलाइन और ऑफलाइन बुकिंग के तहत अभी तक कुल 11,84,78,601 (ग्यारह करोड़ चौरासी लाख अट्ठहत्तर हजार छह सौ एक) रुपये से अधिक की बुकिंग भी की जा चुकी है।

सरकार नहीं दिला पायी भंडारागार निगम कार्मिकों को सातवां वेतनमानः मोर्चा

विकासनगर,। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं उत्तराखंड राज्य भंडारागार निगम के संरक्षक रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि भंडारागार निगम के कार्मिकों को सातवें वेतनमान का लाभ प्रदान किए जाने के मामले में लगभग चार साल से पत्रावली शासन में धूल फांक रही है, लेकिन बेशर्म सरकार उपलब्धियां मना रही है। मंत्री/मुख्यमंत्री इस मामले में सब नाकाम हो चुके हैं। उक्त मामले में पत्रावली कई बार सहकारिता विभाग से उद्यम विभाग को प्रत्यावित की गई, जिसमें उद्यम विभाग ने लगभग छह–सात बार आपत्तियों पर आपत्तियां लगाकर पत्रावली को ठंडा बस्ती में डाल दिया था, लेकिन फिर कुछ पूजा–अर्चना करने के उपरांत आपत्तियां निस्तारित हुई। बावजूद इसके आज तक पत्रावली सहकारिता विभाग में धूल फांक रही है। यह आलम तब है जब निगम फायदे (लाभ) में चल रहा है। उद्यम विभाग पूछता है कि निगम घाटे में है या लाभ में। अगर यही सवाल विधायकों के वेतन–भत्ते, सुख सुविधायें बढ़ाने में किया जाए तो सरकार तब यह सब नहीं देखती। सवाल यह उठता है कि जब हर काम के लिए न्यायालय की ही शरण लेनी है तो फिर इस इतने बड़े लाव–लश्कर, मंत्री–मुख्यमंत्री, सचिवालय, जिस पर प्रतिवर्ष करोड़ों–अरबों रुपए खर्च हो रहा है, की जरूरत ही क्या है। सरकार व उसके मंत्री बड़े–बड़े दावे करते हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति बहुत ही विष्फोटक है द्य आज प्रदेश में हर काम की कीमत तय कर दी गई है, जिसके चलते माफियाओं–अधिकारियों के गठजोड़ की ऐश हो रही है। सरकार कह रही है कि हमने आठवें वेतनमान हेतु कमर कस ली है, लेकिन यहां तो अभी सातवां वेतनमान ही नहीं दिया गया। ऐसे में सिर्फ एक ही रास्ता बचता है कि प्रदेश में राष्ट्रपति शासन ही लगा दिया जाए। पत्रकार वार्ता में प्रवीण शर्मा पिन्नी व अतुल हांडा उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु केंद्र सरकार से अनुरोध

२० से २५ वर्षों की दृष्टिगत राज्य के समक्ष कृषि एवं औद्यानिकी क्षेत्र में आने वाली मुख्य चुनौतियां, समस्याओं व मुद्दों के साथ एक ठोस एवं प्रभावी रोडमेप बनाने के निर्देश।

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। सीएम धामी ने अन्य राज्यों विशेषकर हिमालयी राज्यों के तर्ज पर उत्तराखण्ड में कृषि व औद्यानिकी के क्षेत्र में प्रोसेसिंग, पैकेजिंग व कैपेसिटी बिल्डिंग हेतु प्रशिक्षण एवं अनुसंधान हेतु पंतनगर में स्टेट एग्री –होर्टि एकेडमी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना हेतु केंद्र सरकार से अनुरोध के लिए तत्काल प्रभावी वर्किंग प्लान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं । मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जल्द ही इसे केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के समक्ष रखेंगे । रविवार को मुख्यमंत्री आवास में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने संबंधित अधिकारियों को राज्य के कृषि व औद्यानिकी से सम्बंधित प्रमुख मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष पूरी मजबूती एवं प्रभावी समन्वय से रखने हेतु निर्देश दिए हैं। 'इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग को आगामी २० से २५ वर्षों की दृष्टिगत राज्य के समक्ष कृषि एवं औद्यानिकी क्षेत्र में आने वाली मुख्य चुनौतियां, समस्याओं व मुद्दों के साथ एक ठोस एवं प्रभावी रोडमेप बनाने के निर्देश दिए हैं, ताकि इस संबंध में केंद्र सरकार से भी समन्वय किया किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के पर्वतीय जनपदो विशेषकर सीमांत जिलों में मनरेगा की विशेष मजदूरी दर, राज्य के अंब्रेला ब्रांड हाउस ऑफ हिमालया के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न एयरपोर्ट पर स्टॉल, पंतनगर विश्वविद्यालय में युवाओं के कौशल विकास के लिए एग्रो टूरिज्म स्कूल स्थापित किए जाने हेतु धनराशि स्वीकृति के संबंध में केंद्र सरकार से अनुरोध एवं समन्वय के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री धामी ने उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय भरसार पौड़ी गढ़वाल में एनएलबीएल मान्यता प्राप्त माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला की स्थापना, भारतीय सेना और पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा मिलेट्स के विभिन्न व्यंजन में उत्पाद तैयार करने की परियोजना, एरोमेटिक उत्पाद की प्रोसेसिंग एवं वैल्यू एडिशन को फूड प्रोसेसिंग इंडस्टरीज के तहत सम्मिलित किए जाने, सगंध पौध केंद्र सेलाकुई देहरादून में राष्ट्रीय स्तर के ट्रेनिंग एवं कैपेसिटी बिल्डिंग कम इनक्यूबेटर डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना, सगंध फसलों को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड में महक क्रांति नीति के लिए धनराशि की स्वीकृति जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर केंद्र सरकार से अनुरोध एवं प्रभावी समन्वय की बात कही। बैठक में मुख्य सचिव श्री आनंद बर्द्धन प्रमुख सचिव श्री आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव श्रीमती राधिका झा, श्री चंद्रेश यादव, श्री एस एन पांडेय, अपर सचिव श्री मनुज गोयल सहित कृषि विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चारधाम यात्रा में न आयें गैर हिंदू, वर्जित हो धर्मविरोधियों का प्रवेशः अविमुक्तेश्वरानंद

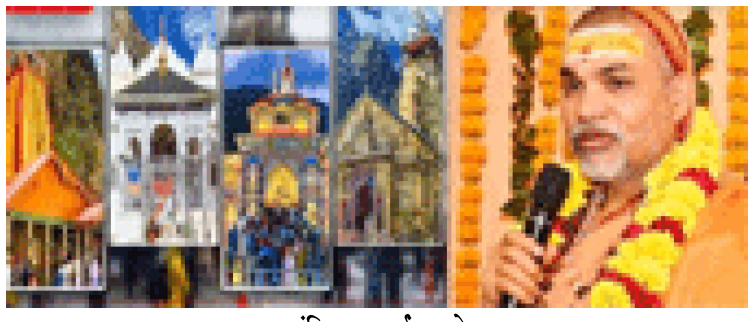

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून,। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सनातन धर्म में आस्था रखने वाले हिंदुओं को ही चारधाम यात्रा में आने की अपील की है। उन्होंने कहा गैर हिंदुओं को चारधाम यात्रा में नहीं आना चाहिए। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा तीर्थ की मर्यादाएं बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा आमोद प्रमोद के लिए चारधाम यात्रा नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा यदि सात्विक भाव से चारधाम आयेंगे, तो उनको आध्यात्मिक लाभ अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा विधर्मियों का चारोंधामों में प्रवेश वर्जित किया जाना चाहिए।ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा जब भी आप अपने घर से यात्रा पर निकलें तो इस बात को ध्यान अवश्य रखें कि तीर्थ यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा तीर्थटन और पर्यटन के अंतर को समझना जरूरी है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालुओ के दर्शन की व्यवस्था हर हाल में सुनिश्चित की जानी चाहिए। देव भूमि से यह संदेश न जाये कि श्रद्धालु बिना दर्शन के वापस लौटे हैं। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने विधर्मियों के चारधामों में प्रवेश पूर्ण रूप से वर्जित किये जाने की बात कही. उन्होंने कहा ऐसा देखने और सुनने में आता है कि दूसरे धर्म के लोग चारधामों और यात्रा पड़ावों में बिना किसी रोक–टोक के आवागमन कर रहे हैं। इस पर सरकार और शासन को कड़े कदम उठाने होंगे। यात्रा व्यवस्था के बारे में बताया कि हमारा सुझाव है कि यात्रियों को जो समस्या हो, वो उन समस्याओं के बारे में लिखित में दें। इसका संज्ञान लेकर सरकार इसका निराकरण करे। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ज्योतिर्मठ और ब्रह्म कपाल तीर्थ में श्राद्ध किया जाएगा।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222

किसी अज्ञात व्यक्ति ने सड़क पर बना दिए पाकिस्तान के झंडे, पुलिस कर रही मामले की जांच

ऋषिकेश, । जम्मू कश्मीर में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद से लगातार सीमाओं पर तनाव बढ़ता जा रहा है. वहीं, बीती रात अन्जान व्यक्ति ऋषिकेश में पाकिस्तान के झंडे चंद्रभागा पुल के निकट सड़क पर बनाकर खुद तो लापता हो गया, जिसकी भनक किसी को भी नही लग पाई। लेकिन पाकिस्तानी झंडों को देखकर सड़क से गुजरने वाले लोगों की भावनाएं भड़क गई। लोगों ने पाकिस्तानी झंडों का विरोध किया। साथ ही नारेबाजी करते हुए अपने गुस्से का इजहार किया। पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन भी किया। लोगों ने भारत सरकार से आतंकवादी हमले का मुंह तोड़ जवाब देने की मांग की। मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। देर रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे चंद्रभागा पुल के निकट गुजर रहे लोगों ने सड़क पर पाकिस्तान के झंडे बने हुए देखे। नजारा देखकर लोगों का गुस्सा भड़क गया. उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। सड़कों पर पाकिस्तानी झंडों का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। मामला पुलिस के पास पहुंचा। कोतवाली से पुलिसकर्मी मौके पर पहुचे। पुलिस के आने के कुछ देर बाद विरोध और प्रदर्शन करने वाले अपने–अपने गंतव्य की ओर चले गए। सीओ संदीप नेगी ने बताया पुलिस मामले में जांच कर रही है।

राष्ट्रीय सहारा के ग्रुप एडिटर विजय राय के निधन पर शोक व्यक्त किया

देहरादून, । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय सहारा के ग्रुप एडिटर विजय राय के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार जनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी ने भी विजय राय के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की है।

हृदय गति रूकने से पीएचडी कर रहे छात्र की मौत

पंतनगर, । पंतनगर विवि के कृषि व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय में पीएचडी द्वितीय वर्ष के छात्र की हृदय गति रुकने से मौत हो गई। मृतक छात्र हर्षित जानी (30) राजस्थान का निवासी बताया जा रहा है। वह यहां चितरंजन भवन–2 (छात्रावास) के कमरा नंबर– 27 में रहता था। विवि चिकित्सालय के डॉ. विजय विश्वास के अनुसार, छात्र को पहले से पेसमेकर लगाया गया था। जिसमें हो सकता है किसी डिफेक्ट के चलते उसकी मौत हुई है।छात्र को जब विश्वविद्यालय चिकित्सालय में लाया गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी पुष्टि के लिए उसे जिला अस्पताल रुद्रपुर रेफर कर दिया गया है।